Guru Aanklan

GRAND TEST	SSC EXAMINATION HINDI (CODE-A)	उत्तरपत्रिका

विभाग १ - गद्य

२०

प्र. १ (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (८)

(१) उत्तर लिखिए। (२)

(i) स्वच्छ और चौड़े रास्ते

(ii) सड़के, लालटेन, अट्टालिकाएँ

(२) उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण किजिए। (१)

(i) राज्य का बड़ा कर्मचारी सूबेदार कहलाता है।

(ii) न्यायप्रियता का आधार द्रव्य था।

(३) उत्तर लिखिए। (२)

(i) सुवर्ण और रत्नादिक

(ii) एक सहस्त्र मुद्रा

(४) परिच्छेद में आई एक विरुद्धार्थी शब्द की जोड़ी लिखिए। (२)

(i) छोटी × बड़ी बहुत × कम रात × दिन

(ii) अथवा - पर्यायवाची शब्द - आखेट - शिकार, गुहार - पुकार

(५) रिश्वत की बीमारी लगभग पूरी दुनिया में फैली हुई है। हमारा देश तो इससे बुरी तरह पीड़ित है। सरकारी कार्यालयों में बिना रिश्वत लिए कोई काम ही नहीं होता। इससे सरकारी कर्मचारी अमीर हो जातें हैं। परेशान बेचारे वो होते हैं जो लोग रिश्वत नहीं दे पाते। इस बीमारी की दवा ढूँढना सरकार के लिए एक टेढ़ी खीर है। समाज और शिक्षण द्वारा इस बीमारी को दूर करने के लिए हमें प्रयत्न करने चाहिए। (१)

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(८)**

(१) विधाने के सामने सत्य / असत्य लिखिए। **(२)**

(i) सत्य **(½)**

(ii) असत्य **(½)**

(iii) असत्य **(½)**

(iv) सत्य **(½)**

(२) मंगली ने नींद में ये रंगीन दृश्य देखे : **(२)**

(i) सरसों का साग और मक्के की रोटी साहब को खूब पसंद आई।

(ii) वह होटल में स्थायी तौर पर रसोइए के रुप में रख ली गई।

(iii) उसके पति ने पीना छोड़ दिया है।

(iv) अब बच्चों के खाने की किलमत नहीं रही।

(३) गद्यांश में आए शब्द-युग्म लिखिए। **(१)**

(1) (i) बचा - कुचा (ii) देखते - देखते

(२) **शब्दों के बचन बदल कर लिखिए।** **(१)**

(i) रोटी - रोटियाँ (ii) आँखें - आँख

(४) 'मंगली के मनोभाव' विषय पर टिपण्णी लिखिए। **(२)**

होटल में एक दिन के लिए शेफ का दर्जा मिलने पर मंगली फुली न समाई। होटल में अपनी जरुरत महसूस की गई, यह सोचकर उसे अपने पर गर्व हुआ। वह खुश थी कि इतने दिन बाद वह अपने परिवार को स्वादिष्ट खाना खिलापाएगी। होटल से उसे प्लास्टिक की बैग में खाने की चीजें दी गई थीं। उसे लेकर घर आते समय उसके पैरों में जैसे पंख लग गए थे। रात में नींद में उसने देखा कि अब वह हमेशा के लिए वहाँ की शेफ बन गई है। इस प्रकार एक दिन की 'शेफ' बनने पर मंगली की खुशी का पार नहीं था।

(ग) निम्नलिखित गद्य परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(४)**

(१) सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए। **(२)**

(i) नारी ईश्वर की देन है। (प्रकृति, समान, ईश्वर)

(ii) पति की असामाजिक मृत्यु नारी के साथ हुआ ईश्वर का क्रुर मजाक है।
(न्याय, मजाक, विचित्र व्यापार)

अथवा

कारण लिखिए:-

(i) विधवा-विवाह एक गौरव की बात है।
इससे समजा की शुद्धि और देश की उन्नति होगी।

(ii) विधवा-विवाह अभी पूरी तरह स्वीकृत नहीं हुआ है।
अभी भी विधवा को लेने और देने में हिचकते हैं।

(२) 'विधवा-विवाह समय की माँग' विषय पर टिपण्णी लिखिए। **(२)**

आज समाज में विभक्त कुटुंब का चलन है। ऐसे में विधवा होने के बाद स्त्री निराश्रित हो जाती है। उसके जीवन में अकेलापन आ जाता है। उसके निर्वाह का प्रश्न जटिल हो जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उसे भी जीने के लिए सहारे की जरुरत है। इसलिए विधवा-विवाह आज समय की आवश्यकता है, माँग है।

विभाग २ - पद्य **१६**

प्र. २ (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(८)**

(१) उत्तर लिखिए। **(२)**

(i) खून से रंगा गुलाब दो (ii) शत्रु को जवाब दो।

(२) पद्यांश से संबधित दो प्रश्न तैयार कीजिए। **(२)**

(१) गुलाल किस काम में आता है ?

(२) किसे उठने के लिए कहा गया है ?

(३) आकृति पूर्ण कीजिए- **(२)**

(i) देश की माँग - सिपाही शत्रु को मुँहतोड़ जवाब दें।

(ii)) पद्यांश में आया एक कँटीले पौधे का फूल गुलाब

(४) संक्षेप में उत्तर लिखिए। **(२)**

(i) शत्रु से युध्द करना।

(ii) सिपाहियों को।

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(८)**

(१) आकृति पूर्ण कीजिए। **(२)**

इज्जत बड़ी कौन किससे बड़ा धन से

(२) पद्यांश से संबंधित दो प्रश्न तैयार कीजिए। **(२)**

(i) धन छोटा क्यों है ? (ii) इज्जत बड़ी क्यों है ?

(३) शब्दों के अर्थ लिखिए।

(i) कुल - घराना, खानदान (ii) माह - में **(१)**

विलोम शब्द लिखिए। **(१)**

(i) बड़ी × छोटी (ii) थोरो × बड़ा

(४) निम्नलिखित दोहे का भावार्थ लिखिए। **(२)**

पर समाज में कुलीनता का अपना विशेष स्थान है। गया हुआ धन फिर से प्राप्त किया जा सकता है, परंतु इज्जत जाने के बाद फिर से उसे पाना बहुत कठिन हो जाता है। इसीलिए रहीम जी कहते हैं कि इज्जत के मुकाबले धन बहुत छोटा है। उदाहरण देते हुए वे कहते हैं कि परिवार की कुलबधू को गरीबी की हालत में भले ही घंटे पुराने वस्त्र पहनने के लिए विवश होना पड़े, पर वह अपनी मर्यादा, अपनी इज्जत बनाए रखती है।

विभाग ३ - पूरकपठन **(४)**

प्र. ३ (१) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

(२) तुलसी के बारे में इनके औषधीय विश्वास सच हुए हैं **(१)**

(i) क्रिस्तानी लोगों के (ii) युनानी लोगों के (ii) हिंदुओं के

(३) तुलसी की सुगंध की विशेषता - **(१)**

(i) रोगाणुनाशक (ii) संक्रमणहारी

(२) हिंदुस्तान में तुलसी को पवित्र मानते हैं। हिंदु स्त्रियाँ तुलसी के पौधे की पूजा करती है, उसकी परिक्रमा करती है, इस पर नैवेद्य, रोली और अक्षत चढ़ाती है। धूप की सुगंध के साथ तुलसी की आरती की जाती है। तुलसी का विवाह भी किया जाता है। चरणामृत में तुलसी पत्तियाँ अवश्य डाली जाती हैं। मृत्यु के समय व्यक्ति के मुँह में तुलसी पत्ता रखना आवश्यक माना जाता है। इस प्रकार तुलसी भारतीय संस्कृति का भाग बन गई है। **(२)**

विभाग ४ - रचना विभाग **१०**

प्र. ४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) i) शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। - किताब **(½)**

मैंने यह <u>किताब</u> पढ़ी है। मेरी <u>किताब</u> खो गई है।

ii) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए। **(½)**

मनुष्य - संज्ञा जातिवाचक

२) वाक्य शुद्ध करके लिखिए : **(१)**

अनिल और सुनील स्कूल गए।

३) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए। **(१)**

खरीद <u>लिया</u> - लेना

४) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रुप लिखिए। **(१)**

खाना - खिलाना - खिलवाना

५) i) अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए। पेड़ के उपर पंछी बैठे हैं। **(१)**

ii) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए : राम के <u>साथ</u> लक्ष्मण भी बन गए। संबंधसूचक अव्यय **(१)**

६) काल परिवर्तन कीजिए। **(२)**

i) वह फल खा रही थी।

ii) नक्शों से यह फायदा होगा।

७) i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए। **(१)**

मन न लगना - इच्छा न होना

राजेश का किसी काम में मन नही लग रहा था।

ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए। **(१)**

खेल के मैदान पर बच्चों की शरारते देख शिक्षक बहुत क्रोधित हो गए।

खेल के मैदान पर बच्चों की शरारतें देख शिक्षक की त्योरियों पर बल पड़ गए।

विभाग ५ - रचना विभाग **३०**

प्र. ५ १) पत्र का प्रारुप तैयार कीजिए **(५)**

पत्र का प्रारुप तैयार करते समय निम्नलिखित बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

पता और दिनांक - पत्र के ऊपर दाहिनी ओर - पाने वाले का पता - पत्र के लिफाफे पर प्रति To, (नाम और पद के साथ) लिखना चाहिए

विषय या संदर्भ - पत्र लिखने का उद्देश संक्षेप में स्पष्ट होना चाहिए।

संबोधन - जिसे पत्र लिखते हैं उसके पद के अनुसार - पत्र का कलेवर - (मुख्य विषय) दो या दीन अनुच्छेदों में हो। प्रेषक के हस्ताक्षर

२) रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। कहानी को शीर्षक दीजिए और उससे मिलने वाली सीख भी लिखिए। **(५)**

कहानी लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्हीं के अनुसार गुणों का विभाजन किया जाता है।

रुपरेखा को ठीक से समझना -

रुपरेखा का क्रम से विस्तार करना - पात्रों की बातचीत को संवाद रुप में लिखना - कहानी भूतकाल में हो - तीन चार परिच्छेंदो में होनी चाहिए। कहानी के मुख्य पात्र, प्रसंग या संदेश ध्यान में रखकर कहानी को उपयुक्त व छोटा शीर्षक दो। कहानी से क्या सीख मिलती है उसे एक - दो वाक्य में लिखना।

३) गद्यांश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(५)**

१) स्त्रियों को कताई, बुनाई, सिलाई, कटाई आदि की शिक्षा देनी चाहिए। उन्हें कुटीर उद्योगों में भी निपुण करना चाहिए।

२) जब घरों की स्त्रियाँ सुशिक्षित और सुसंस्कृत होती हैं तो हमारा घर स्वर्ग बना सकता है।

३) जिन घरों की स्त्रियाँ सुशिक्षित और सुसंस्कृत होती है, उन घरों को जिंदा विश्व विद्यालय कहा गया है।

४) शिक्षा का अर्थ है जीने की कला।

५) शीर्षक - स्त्रियों की शिक्षा का महत्व, शिक्षा जीने की कला, स्त्रियों की शिक्षा

प्र. ६ १) निम्नलिखित मुद्दों के आधारपर ६० से ८० शब्दों मे विज्ञापन तैयार कीजिए। (५)

विज्ञापन तीन प्रकार के होते हैं - वस्तु संबंधी, व्यक्ति संबंधी और स्थान संबंधी।

अखबारों में मकान, फ्लैट, दुकान आदि से संबंधित विज्ञापन दिए जाते हैं। विज्ञापन की भाषा सरल, शिष्ट, सुबोध तथा आकर्षक हो। उसकी शैली उपभोक्ता पर असर करनेवाली हो। विज्ञापन यथासंभव संक्षिप्त हो। विज्ञापन जहाँ हो सके वहाँ चित्र का उपयोग करना उचित है।

२) किसी एक विषयपर निबंध लिखिए। (लगभग ८० से १०० शब्दों में) (१०)

(i) फटी पुस्तक की आत्मकथा - यह विषय आत्मकथनात्मक विषय है। इस प्रकार के निबंध में कोई व्यक्ति, वस्तु आदि अपने जीवन की घटनाओं एवं अनुभूतियों को स्वयं व्यक्त करता है। वह वस्तु निर्जीव हो तो भी इसी तरह कथन किया जाता है।

(ii) समय का सदुपयोग - यह वर्णनात्मक विषय है। इसमें समय का महत्व बताया जाएगा साथ एक-दो उदाहरण या संतोके दोहे का उल्लेख करना अपेक्षित है।

(iii) यदि परीक्षाएँ न होती - यह कल्पनाप्रधान विषय है। इसमें कल्पना के आधार पर विषय का निरुपण किया जाता है।

निबंध लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए। इन्हीं बातों को ध्यान रखकर गुणों का नियोजन किया जाता है।

(i) निबंध का चुनाव-सोच-विचार से विषय चुनिए।

(ii) रुपरेखा का विस्तार - कच्ची रुपरेखा तैयार करें और उसमें सभी संकेतों को क्रम के अनुसार लिखें।

(iii) प्रारंभ - निबंध का प्रारंभ आकर्षक और विषय से संबंधित हो।

(iv) मध्य भाग - मध्य भाग में विषय की क्रमशः चर्चा होनी चाहिए। कुछ उदाहरणों से चर्चा प्रभावशाली हो सकती है।

(v) अंत - प्रभावशाली और संक्षिप्त होना चाहिए।

निबंध का तात्पर्य या वक्तव्य एक-दो वाक्य में लिखें। निबंध की भाषा, व्याकरण और वर्तनी की दृष्टी से शुद्ध होनी चाहिए! वाक्य सरल और स्पष्ट हो। सरल और परिचित शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। निबंध में विरामचिह्नों का उचित प्रयोग आवश्यक है। किसी बात या विचार की पुनरुक्ति न हो। संकेतों या विचारों के अनुसार चार या पाँच परिच्छेद होने चाहिए। निबंध में स्वच्छ व सुंदर लिखावट होना आवश्यक है।

◆◆◆◆